

१५१११

पत्रावली पेश हुयी। प्रार्थी एवं प्रार्थी के
वकील के अर्क-१ कर कर-२
आवाज लगाने गये। प्रार्थी एवं उनके
वकील उपस्थित नहीं थे अतः प्रार्थी
का प्राप्पत्र अर्क दायरी व अर्क
फैली में धारण किया जाता है।
पत्रावली अंततः अर्क नम्बर के
वक्ता के तथ्य शामिल हुए बाद ही

